B.M.A. College, Baher, Darbhanga
Date: 02/5/2020

Deptt. of Sociology

By Dr. Rajesh Kr.
Sociology

B.A. (Hons) - II
Paper - IV (सामाजिक अनुसंधान)

[illegible]

विषय :- वैषयिकता एवं इसकी कठिनाइयाँ

वैषयिकता का तात्पर्य ऐसे अध्ययन से है जिसमें अध्ययनकर्ता की मानसिक स्थिति का प्रभाव अध्ययन पर नहीं पड़ता है तथा वस्तु या घटना का अवलोकन उसके सच्चे स्वरूप में होता है। दूसरे अर्थों में हम यह कह सकते हैं कि अध्ययन के दौरान अध्ययनकर्ता किसी व्यक्तिगत भावना, मान्यता, पूर्वधारणा इत्यादि से ग्रसित नहीं होता बल्कि वह स्वयं निरीक्षण, परीक्षण, वर्गीकरण एवं सामान्यीकरण के माध्यम से वह उस अध्ययन पर प्रकाश डालता है। इसकी सोच एवं मानसिकता तार्किक एवं तथ्यों पर आधारित होता है। वह तटस्थ होकर किसी घटना के विवेचन में सफलता है।

अनुसंधान के दौरान वैषयिकता प्राप्ति में निम्न कठिनाइयाँ हैं-

- भावात्मक प्रवृत्तियों का अभाव: कहा जाता है कि कोई भी सामाजिक घटना ऐसी नहीं है जिसमें भावना सम्मिलित न हो। सो अध्ययन में भावना को अलग करना काफी कठिन होता है।
- अनुसंधानकर्ता का व्यक्तिगत स्वार्थ: कभी-कभी ऐसा भी देखा जाता है कि अनुसंधान में अनुसंधानकर्ता का व्यक्तिगत स्वार्थ भी शामिल हो जाता है जिससे परिणाम प्रभावित होता है।
- रीति-रिवाजों का प्रभाव: प्रत्येक सामाजिक घटनाओं की प्रक्रिया में रीति-रिवाजों का भी हाथ होता है, जो घटना को [illegible] प्रदान करता है, घटनाओं से रीति-रिवाज को निकालना मुश्किल होता है।
- नैतिक पक्षपात: कभी-कभी सामाजिक घटनाओं के आँकड़ों पर उत्तरदाता एवं अनुसंधानकर्ता के नैतिक व्यक्तित्व का भी प्रभाव पड़ता है जिसके कारण परिणाम प्रभावित होते हैं।
- आत्मविक श्रेष्ठता: कभी-कभी अनुसंधान की [illegible] करने की प्रक्रिया में सामने जो भी समाधान आते हैं हम उन्हें तुरंत स्वीकार कर लेते हैं जो निष्कर्ष को प्रभावित करता है।
- सामान्य ज्ञान सम्बन्धी भ्रम: कभी-कभी हमारे सामान्य ज्ञान में गलत जानकारी सम्मिलित होती है, जिसके कारण हम वास्तविकता को

B.M.A. College, Baheri, Darbhanga
Date:- 02/5/20
Deptt. of Sociology
B.A (Socio. Hons), Part - II
Paper - IV (सामाजिक अनुसंधान)
By Dr. Rajesh Kumar
Sociology

विषय: अवलोकन के प्रकार

अवलोकन के निम्न प्रकार है, जिसकी चर्चा नीचे की जा रही है:-

- सहभागी एवं असहभागी अवलोकन: सहभागी अवलोकन के अन्तर्गत अनुसंधानकर्ता लोगों के बीच अपनी क्रियाओं का सहभागी करते हुए किसी घटना का अवलोकन करता है जबकि असहभागी के अन्तर्गत अनुसंधानकर्ता घटना स्थल से बाहर रह कर किसी घटना का अवलोकन करता है।
- व्यवस्थित एवं अव्यवस्थित अवलोकन: व्यवस्थित अवलोकन के अन्तर्गत कुछ नियम कानून का अनुसरण करना होता है जबकि अव्यवस्थित के अन्तर्गत ऐसी कोई बाध्यता नहीं होती।
- संरचनात्मक एवं असंरचनात्मक अवलोकन: संरचनात्मक अवलोकन के अन्तर्गत औपचारिक नियमों का अनुसरण करते हुए नियंत्रण की रचना होता है जबकि असंरचनात्मक के अन्तर्गत संगठनात्मक ढीलापन मौजूद रहता है।
- प्राकृतिक एवं प्रायोगिक अवलोकन: प्राकृतिक अवलोकन के अन्तर्गत प्राकृतिक व्यवस्था का ही सहारा लिया जाता है जबकि प्रायोगिक अवलोकन के अन्तर्गत कृत्रिम व्यवस्था का सहारा लिया जाता है।
- खुला एवं छिपा अवलोकन: खुला के अन्तर्गत अनुसंधान का उद्देश्य एवं अनुसंधान की पहचान उत्तरदाता को बताई जाती है, जबकि छिपा अवलोकन के अन्तर्गत सभी कुछ छुपा ली जाती है।
- प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष अवलोकन: प्रत्यक्ष के अन्तर्गत घटना का सीधा-सीधा अवलोकन किया जाता है जबकि अप्रत्यक्ष अवलोकन के अन्तर्गत अन्य स्रोतों या बयान से घटना का अध्ययन किया जाता है।
- गुप्त या प्रकट अवलोकन: गुप्त अवलोकन के अन्तर्गत अनुसंधानकर्ता कुछ तथ्यों को प्राप्त करने में असावधानी करता है जबकि प्रकट अवलोकन के अन्तर्गत सभी तथ्यों का सावधानीपूर्वक अवलोकन किया जाता है।

02/5/20